

Sl.No.

0107

06(S/D)

(MARCH, 2020)

Time : 3 Hours]

[Maximum Marks : 80

सूचनाऊँ :

- 1) सुठे नमूने पढिही सधिजे, उन नमूने जवाब लिखिया वजनि ।
- 2) हिन सुवाली पेपर में कुलु चार A, B, C & D विभाग आहिनि, सुवाल नम्बर 1 कानि 29 आहिनि ।
- 3) सभेई सुवाल लाजिमी आहिनि । अन्दरूनी विकल्प दिनल आहिनि ।
- 4) सुवाल जे साजे पासे वारा अंग, उन जूं मार्कूं देखारिन था ।
- 5) बीहक जे निशानियुनि, लिखिणी, भाषा शुद्धि, हाशी, सफाई वगैरह तरफ खासु ध्यान दिनो वेन्दो । सुवाल जा सोचे समझी करे जवाब लिखिया वजनि ।
- 6) नओं विभागु नऐं पेज ते लिखियो वजे । सुवालनि जा जवाब नम्बरवार लिखिया वजनि ।

विभाग - A नसुर विभाग

1) हेठियां जोडा ठहिकाए लिखो :

[2]

‘अ’ विभाग

- (1) पराई पचर
- (2) बु नंदियू आखाणियू
- (3) असांजे घर अचिजो
- (4) ढाल

‘ब’ विभाग

- | | |
|---|-----------------|
| - | कहाणी |
| - | नाटक |
| - | लीलाराम परेमचंद |
| - | कीरत महिरचंदाणी |

2) हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक जुमिले में डियो :

[4]

- (1) मंदर जी ड्राकण ते केनु वेठो आहे?
- (2) जुवान जी आलस जो कहिडो नतीजो निकरदो?
- (3) सोनूअ पंहिंजी माउ सां आखिर में कहिडो वाइदो कयो?
- (4) सरोज जे सरीर में छा जी कमी हुई?

3) हेठियनि सुवालनि जा जवाब थोरे में डियो :

[6]

- (1) गळती ऐं गुनाह में कहिडो फ़र्कुं आहे?
- (2) बिनि पीदियुनि जे विच जी कडी कीअं काइमु रखी सधिजे थी?
- (3) ब्रापूअ खे बरोदा जेल में छो मोकिलियो वियो?

या

- (3) शाह साहिब ससुईअ खे कहिडी हिदायत थो करे?

4) हेठियनि सुवालनि जा जवाब विस्तार सां लिखो :

[8]

- (1) सैर सफर मां कहिडा फाइदा आहिनि?
- (2) आम तोरि माणहुनि जी कहिडी बुछिडी आदत हूंदी आहे?

या

- (2) बिखारीअ शाहूकर अगियां पिहंजो कहिडो हालु बयांन कयो?

विभाग - B नज़म

5) हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक जुमिले में डियो :

[4]

- (1) मस्जिद तोडे मंदिर में केरु आहे?
- (2) कहिडनि माणहुनि पंहिजो जीवन सफलो कयो आहे?
- (3) हिमत हारण सां छा थो थिए?
- (4) औरत छा बणिजी आकास जी बुलंदियुनि खे छुही रही आहे?

6) डिनल कविता जूं सिटूं पुरियूं कयो :

[2]

कंहिंजी करियां खुशामद

..... बियो जगु ठहियो त छा थियो ।

- 7) हेठियनि सुवालनि जा जवाब थोरे में डियो : [6]
- (1) औरत कीअं ऐ कहिडे रूप में भोगियो आहे?
 - (2) हिंदूस्तान जे मथां कुदिरत जी महिर कीअं आहे?
 - (3) जुल्म जूं जंजीरूं टोरण लाइ असां खे छा करण घुरिजे?
- या
- (3) शाङ्र परमात्मा जो वासो किथे किथे पसे थो?

- 8) हेठियनि सुवालनि जा जवाब विस्तार सां लिखो : [8]
- (1) अखयूं किअं कन्ह सां भेद न थयू कनु?
 - (2) हिंदुस्तान जो हर तहेवार आलिशान कीअं आहे?
- या
- (2) मालिक जी महर सां कहडा करिशमा थयन था?

विभाग - C व्याकरण

घुरिबल जवाब लिखो :

- 9) हेठि डिनल लफ्जनि जी हिजे सुधारियो । [1]
मुलाकात, फकीरी
- 10) हेठि डिनल लफ्जनि जी संधी छडायो । मिलायो । [1]
एकांत, महा + आत्मा
- 11) हेठि डिनल जुमले मां इस्म मुजकर गोल्हियो [1]
मूळे घुमण डाढो वणंदो आहे ।

12) हेठि डिनल लफ़ज़ जो समास सुआणो धीन बंदू [1]

13) 'मुलक' लफ़ज़ जी सही हम माना वारो लफ़ज़ गोल्हियो । [1]

(1) देश

(2) परदेश

(3) घर

14) हेठि डिनल लफ़ज़ जो ज़िद लिखो : [1]

झूनो, मुश्किल

15) हेठि डिनल लफ़ज़ जो अलंकार सुआणो । [1]

(1) कुतुब मिनार आकाश खे छुहे थो ।

(2) उस्तम जो सीनो उक जियां सख्त हो ।

16) 'ढगे बांगुर वहण' इस्तिलाह जी दुरुस्त माना गोल्हियो । [1]

(1) गुसे में अचणु

(2) तमाम घणो पोरियो करणु

(3) घटि कम करणु

17) हेठि डिनल पहाके जो मतलबु सम्झायो । [1]

'उहो सोनु धोरियो जो कन छिने'

18) लफऱ्जनि जे मेड लाइ हिकु लफऱ्जु लिखो । [1]

'जेको ब्रिए जे धरि वब्रे'

19) हेठि डिनल लफऱ्जनि जी इस्म ज्ञानि लिखो । [1]

उदास, अमर

20) हेठि डिनल लफऱ्ज जो प्रयोग सुआणो । [1]

- छोकिरी अंब खाए थी ।
- बाग में घुमिबो आहे ।

21) हेठि डिनल जुमला फेरायो । [1]

- मां बाजार वेंदसि (नाकारी जुमिलो ठाहियो)

22) हेठि डिनल जुमिलनि मां मुफिरद, मरकब ऐं मरतब जुमिला सुआणो । [1]

- घोडे शींहं खे डिठो ऐं भजी वियो ।
- हू किताब पढे थो ।

23) हेठि डिनल जुमिलनि जा ज्ञमान सुआणो । [1]

- मोहन खनु लिखे थो ।
- मुरिली रीटा जे घर वेंदो

24) हम उचारी लफऱ्जनि जी माना में तफऱ्वत ज्ञाणायो । [1]

आला – आला, हाल – हाल

विभाग - D नज़म

१००१ - ८

(प्रश्नांची संख्या व उत्तराची संख्या)

25) हेठि डिनल पहाको विस्तार सां समझायो : (को ब हिक) [4]

- (1) “जीऊ खुशि त जहान खुशि”
 (2) “उस्ताद जी मार, बार जी संवार”

26) तंव्हाजे शहर में मल्हायल नवरात्री महाउत्सव जो डिनलु अहिवालु पंहिंजनि लफ़्जनि में लिखो : [4]

27) तंव्हाजे स्कूल में मल्हायल 26 जनवरी जो अहिवालु पंहिंजे दोस्त खे खत जरीए ज्ञाणायो : [4]

28) हेठि डिनल टुकुर पढी उन जे हेठां डिनल सुवालनि जा जवाब लिखो : [4]

इन्सान खे के न के हक्क मिल्यल आहिनि त उन सां गडु जवाबदारियूं या फर्ज बि आहिनि । हक्क बेशक माणजनि त फर्ज अदाई बि खुशीअ सा करण जुगाए । माउ पीउ बारिन जी परधोर लहनि था ऐं अंगल आरा सहनि था त बार जो बि फर्ज आहे साणनि प्यार ऐं अदब सा हलनि संदनि आज्ञा मरींन ऐं दिल व जानि सां संदनि शेवा कनि ।

स्कूल में मास्तर साहिब सिख्या था डियनि जंहिं वसीले इल्मु ऐं अकुलु पडपे थो । शार्गिंदनि जो फर्जु आहे न दिल लाए पढी, मास्तरनि जो अदब रखनि, इन्तजाम ऐं ज्ञाबते सां वरितनि, सफाईअ ऐं सुठाईअ जो लछण धारिनि तंहिं खां सवाह स्कूल खे पवित्र आस्थान समझी, उन खे साफ सुथिरो रखनि ऐं अहिडी तरह हलनि जो संदनि नालो निकिरे ऐं स्कूल जो पिणि । इन जो मदार शार्गिंदनि तोडे मास्तरनि ते आहे । बद फजीलती, कूड, चोरी, कापी करण, चुगाली हणणु, स्कूल जा कम न करणु, गार गंद डियणु, विढण ऐं झागिडा करणुं, बुरियूं आदतूं आहिनि, जिनि खां खेनि किनारो करणु घुरिजे ।

सुवाल :-

- (1) पंहिंजे बार जे बारे में माउ पीउ छा था कनि?
 (2) बार खे माउ पीउ सां कींअ वरितणु घुरिजे?
 (3) शार्गिंदनि जो फर्ज कहिडो आहे?
 (4) बुरियूं आदतूं कहिडियूं आहिनि?

29) हेठि डिनल टिपन जे आधार ते अटकल 200 लफ़्जनि में मज़मून लिखो :- (को ब हिक) [8]

(1) मुंहिजो प्यारो डिण

- भारत में डिण
- डिण सभ्यता जी निशानी
- मल्हाइण जो तरीको
- आनंदु मानण
- ग़ल्त रस्मुनि सां नुक्सानु
- इन्सान जो फर्जु

(2) जेकड़हिं मां डाक्टर हुजां

- डाक्टर बगिजण जी तमना
- बीमारनि जो सुठो इलाजु
- गोडनि में शेवा जो कमु करणु
- मालहुनि जी शेवा जो आर्दशु

ঃঃঃঃঃ

29) हेठि डिनल टिपन जे आधार ते अटकल 200 लफ्जनि में मज़मूत लिखो :- (को बहिक)

(1) मुंहिजो प्यारो डिण

- भारत में डिण
- डिण सभ्यता जी निशानी
- मल्हाइण जो तरीको
- आनंदु मानणु
- गळत रस्मुनि सां नुक्सानु
- इन्सान जो फर्जु

(2) जेकड्हिं मां डाक्टर हुजां

- डाक्टर बगिजण जी तमना
- बीमारनि जो सुठो इलाजु
- ग्रोडनि में शेवा जो कमु करणु
- माल्हुनि जी शेवा जो आर्दशु

⌘⌘⌘

This Question Paper contains 08 printed pages.
(Sections - A, B, C & D)

Sl.No.

0107

06(S/A)

(MARCH, 2020)

Maximum Marks : 80]

[Time : 3 Hours

سوچنائون :

سئی نمونی پڑھی سگھجی، اُن نمونی جواب لکیا و جن۔ (1)

هن سوالی پیپر ہکل چار مکان A, B, C & D، ویاگ آهن، سوال نمبر 1 کان 29 آهن۔ (2)

سیئی سوال لازمی آهن۔ اندرونی وکلپ ڈنل آهن۔ (3)

سوال جی کا ہی پاسی وارا انگ، اُن جون مارکون ڈیکارین ٿا۔ (4)

بیهڪ جی نشانین، لکھی، پاشاشُدُتی، حاشی، صفائی وغیره طرف خاص ذیان ڏ نو ویندو سوال جا سوچی
سمجهی کری جواب لکیا و جن۔ (5)

نئون ویاگ نئین پیچ تی لکیو و جی۔ سوالن جا جواب نمبر وار لکیا و جن۔ (6)

ویاگ A نثرو ویاگ

[2]

ہیثیان جوڑا نھکائی لکو: (1)

الف، ویاگ ب، ویاگ

پرائی پچر - کھائي (1)

نا تک - پندی یون آکا ٹیون (2)

اسانجی گھراچجو - لیلارام پر یمچند (3)

دال - کیرت مهرچندائی (4)

[4]

هیئین سوالن جا جواب هک جملی ۾ ڏيو: (2)

- (1) مندرجی ڏاکڻ تي کير وينو هو؟
(2) جوانن جي آلس جو کھڙو نتيجونکرندو؟
(3) سونوء پنهنجي ماء سان آخر ۾ کھڙو واعدو کيو؟
(4) سروچ جي سرير ۾ چا جي کمي هي؟

[6]

هیئین سوالن جا جواب توري ۾ ڏيو: (3)

- (1) غلطي ۽ گنا هم کھڙو فرق آهي؟
(2) بن پيڙ هين جي وج جي کرتي کيئن قائم رکي سگهجي ٿي؟
(3) با پوءِ کي برو دا جيل ۾ چومو کليو ويو؟
يا
(3) شاهه صاحب سئي ڪي کھڙي هدایت ٿو کري؟

[8]

هیئین سوالن جا جواب وستارسان لکو: (4)

- (1) سير سفر مان کھڙا فائدا آهن؟
(2) عام طور ما ٺهن جي کھڙي بچري عادت هو ندي آهي؟
يا
(2) بکاري ۽ شاهو کار آڳيان پنهنجو کھڙو حال يان کيو؟

ویاپک B نظم و پایاگ

[4]

هیثین سوالن جاجواب هک هک جملی هر جواب لکو :- (5)

(1) مسجد تورزی مندر هم کیر آهي ؟

(2) کهڙن ماڻهن پنهنجو جيون سقلو کيو آهي ؟

(3) همت هارڻ سان چاٿو ٿئي ؟

(4) عورت چا بُنجي آڪاش جي بُلندين کي چُھي رهي آهي ؟

[2]

ڏنل ڪوتا جون ستون پوريون ڪريو:- (6)

----- ڪنهنجي ڪريان خوشامدر -----

----- پيو جڳهه نهيوته چا ٿيو.

[6]

هیثین سوالن جا جواب ٿوري هر ڏ ڍو :- (7)

(1) عورت کيئن ۽ ڪهڙي روپ هر ڀو گيو آهي ؟

(2) هندستان جي متان قدرت جي مهر کيئن آهي ؟

(3) ظلم جون زنجiron ٿوڙڻ لاءِ اسان کي چا ڪرڻ گهرجي ؟

يا

(3) شاعر پر ما تما جو واسو ڪشي ڪشي پسي ٿو ؟

[8]

هیئین سوالن جا جواب وستارسان ڏيو : (8)

(1) آکيون کیئن کنهن سان پید نتیون رکن ؟

(2) هندستان جو هر تهوار عاليشان کیئن آهي ؟

يا

(2) ما لک جي مهر سان کھڑا کرشما ٿين ٿا ؟

ویاگ C وباکرڻ ویاگ

گھربل جواب لکو :

[1]

هیث ڏنل لفظن جي هجي سڌ اريو : (9)

ملاڪات , فڪيري

[1]

هیث ڏنل لفظن جي سُندٽي چڏايوسا ملايو : (10)

ایڪانت , مها + آتما

[1]

هیث ڏنل جملی مان اسم مصدر گو لهيو : (11)

مونکي گھمن ڏايو و ڻندو آهي .

[1]

هیث ڏنل لفظ جو سما س سجا ٿو . 'دين بندو' (12)

[1]

'ملڪ' لفظ جو صحيح هم معني وارو لفظ گولهيو : (13)

(1) ديش

(2) پرديش

(3) گهر

[1]

(14) هيٺ ڏنل لفظن جا ضد لکو :

جهونو ، مشکل

[1]

(15) هيٺ ڏنل لفظن جو النكار سجاڻو :

(1) - قطب منار آکاش کي چهي ٿو .

(2) - رُستم جو سینو رُک جیان سخت هو .

[1]

(16) 'يگي وانگر وهن' اصطلاح جي دُرست معني گولهيو :

(1) غصي ه آچن

(2) تمام گھڻو پورهيو کرن

(3) گھت کم کرن

[1]

(17) هيٺ ڏنل پهاکي جو مطلب سمجھايو

"اُهو سون گھوريو جو کن ڇني ."

[1]

(18) لفظن جي ميڙ لاءِ هڪ لفظن لکو :-

"جيڪو پئي جي گھرو جي "

[1]

(19) هيٺ ڏنل لفظن جي اسم ذات لکو :-

اداس ، امر

[1]

(20) هيٺ ڏنل جملی جو پريو گه سجاڻو :-

- چو ڪري انب کائني تي .

- باغ ه گھمبوا آهي .

003

[1] (21) هیث ڏنل جملہ ڦیرایو :-

- مان بازار ویند س . (ناکاری جملو نا هیو)

- تا جمحل سندر عمارت آهي (عجبي جملو نا هیو)

[1] (22) هیث ڏنل جملن مفرد، مرکب ۽ مرتب جملہ سیجاڻو.

- گڏڙ شينهن کي ڏنوء ڀجي ويو.

- هو ڪتاب پڙهي ٿو.

[1] (23) هیث ڏنل جملن جا زمان، سیجاڻو.

- مو هن خط لکي ٿو.

- مرلي، ريتا جي گهر ويندو.

[1] (24) هم اچاري لفظن جي معني هم تفاوت ڄاڻا يو :-

اعليٰ - آلا ، هال - حال

وياگ D شناخت

[4] (25) هیث ڏنل پهاڪو و ستارسان سمجھايو:- (کوبه هڪ)

(1) ”جيء خوش ته جهان خوش“

(2) ”اُستاد جي مار، پارجي سنوار“

[4] (26) تو هانجي شهر ۾ ملها يل نوراتري مها اتسو جو احوال پنهنجي لفظن ۾ لکو :-

[4] (27) تو هانجي اسکول ۾ ملهايل 26 جنوري جو احوال پنهنجي دوست کي خط دوران چاٹايو:

[4] (28) هيٺ ڏنل نشو جو ٿڪرپڙهي اُن جي هيٺان ڏنل سوالن جا جواب لکو:-

إنسان کي کي حق مليل آهن تم اُن سان گڏ جوابداري يا فرض به آهن حق بيشك ما ڻجن تم فرض
آدائی به خوشی ئه سان ڪرڻ جڳائي. ماءُ پيءُ با رن جي پر گهور لهن ٿا ۽ انگل آراسهن ٿا تم پارجو به
فرض آهي تم سائين پيار ۽ آدب سان هلن، سندن آگيمجيں ۽ ذل وجان سان سندن شيواڪن.

اسکول ۾ ما ستر صاحب سکيا ٿا ڏين جنهن وسيلي علم ۽ عقل پڙي ٿو. اهو احسان کو جهڙو تهڙو کو
نهي. شاگردن جو فرض آهي تم دل لاءِ پڙهن، ما سترن جو ادب رکن، انتظام ۽ ضابطي سان ورتن، صفائی
۽ سنائي، جو ليڻ ڏارين، تنهن کا نسا، اسکول کي پو تر آستان سمجهي، ان کي صاف سترو رکن ۽
اهڙي طرح هلن جو سندن نالونکري ۽ اسکول جو مداريش شاگردن تو ڙي ما سترن تي آهي بي فصيلتي،
ڪوڙ، چوري، کا پي ڪرڻ، چخلي هئن، اسکول جا ڪم نه ڪرڻ، گارگند ڏيئن، وڙهن ۽ جڳهڙا ڪرڻ
بر یون عادتون آهن، جن کان کين ڪنارو ڪرڻ گهرجي.

سوال :-

(1) پنهنجي پارجي باري ۾ ماءُ پيءُ چاٿا کن؟

(2) پارکي ماءُ پيءُ سان ڪيئن ورتن گهرجي؟

(3) شاگردن جو فرض ڪهڙو آهي؟

(4) بر یون عادتون ڪهڙ یون آهن؟

21

(29) هیت ڏنل ٿپن جي آذاري انکل 200 لفظن هر مضمون لکو : (کوبه هڪ)

منهنجو پيارو ڏنل (1)

پارت هر ڏنل -

ڏنل سڀتا جي نشاني -

ملهاڻ جو طريقو -

22

آند ماڻن -

غلط رسمن سان نقصان -

إنسان جو فرض -

23

جيڪڏهن مان داڪتر هجان (2)

- داڪتر بُجھن جي تمنا

- بيمارن جو سٺو علاج

24

- ڳوڻن هر شيوا جو ڪم کرڻ

- ماڻهن جي شيوا جو آدرش.

25

